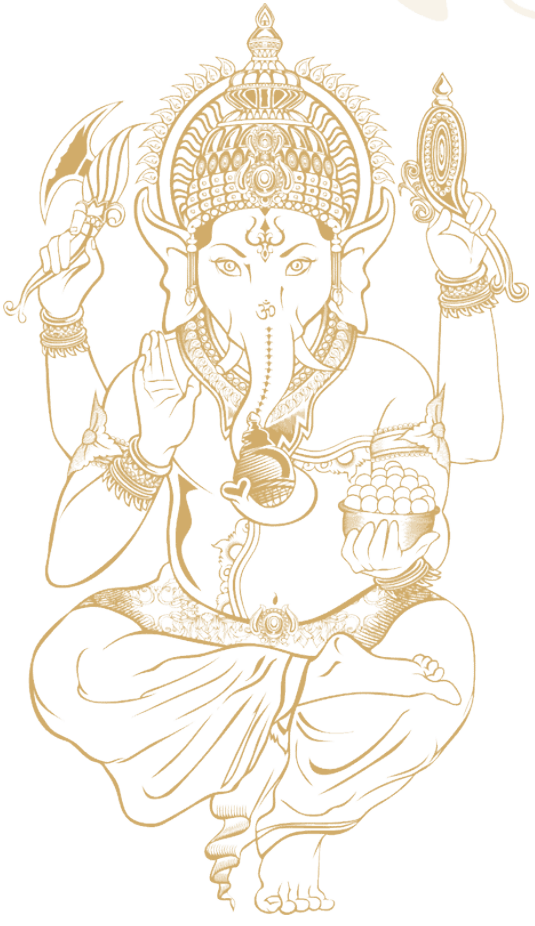

Kratika

10 Oct 2001

08:35 AM

Jhalawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121202203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/10/2001**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**08:35:00 घंटे**
इष्ट	05:34:35 घटी
स्थान	**Jhalawar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:09:36 घंटे
वेलान्तर	00:12:58 घंटे
साम्पातिक काल	09:24:46 घंटे
सूर्योदय	06:21:09 घंटे
सूर्यास्त	18:03:25 घंटे
दिनमान	11:42:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	23:00:09 कन्या
लग्न के अंश	21:56:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:56:47	315:25:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			कन्या	23:00:09	00:59:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मिथु	22:20:33	13:43:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
मंगल			धनु	24:26:10	00:38:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	01:27:19	01:01:42	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	20:55:12	00:04:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	29:29:24	01:14:08	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	20:56:10	00:01:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मिथु	06:15:06	00:00:09	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	उच्च राशि
केतु			धनु	06:15:06	00:00:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:12:41	00:01:01	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:07:59	00:00:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:16:04	00:01:29	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	24:52:59	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:36

लग्न-चलित

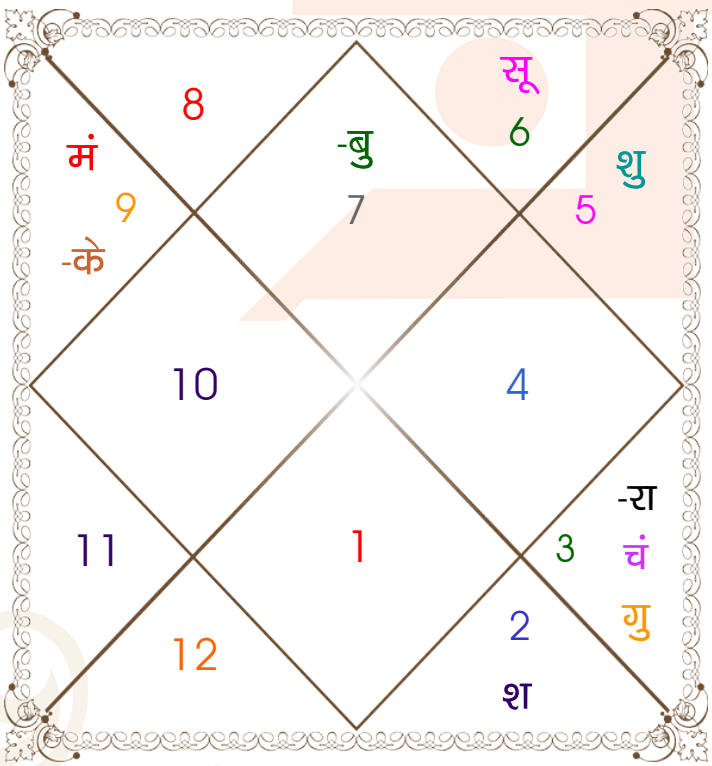

चन्द्र कुंडली

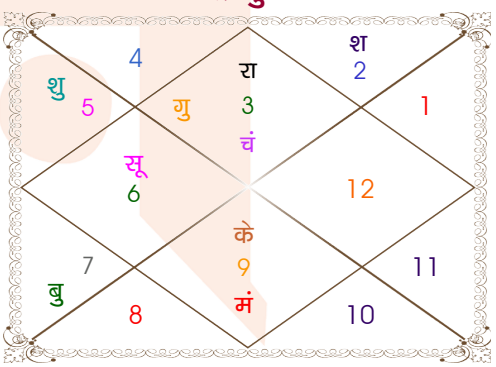

नवमांश कुंडली

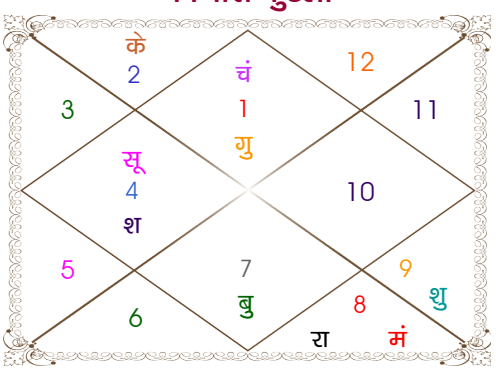

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 2 मास 8 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/10/2001		18/12/2014		18/12/2033		18/12/2050		18/12/2057	
18/12/2014		18/12/2033		18/12/2050		18/12/2057		18/12/2077	
	10/10/2001	शनि	21/12/2017	बुध	15/05/2036	केतु	16/05/2051	शुक्र	18/04/2061
शनि	19/08/2003	बुध	30/08/2020	केतु	13/05/2037	शुक्र	15/07/2052	सूर्य	19/04/2062
बुध	23/11/2005	केतु	09/10/2021	शुक्र	13/03/2040	सूर्य	20/11/2052	चंद्र	18/12/2063
केतु	30/10/2006	शुक्र	08/12/2024	सूर्य	17/01/2041	चंद्र	21/06/2053	मंगल	16/02/2065
शुक्र	30/06/2009	सूर्य	20/11/2025	चंद्र	18/06/2042	मंगल	17/11/2053	राहु	17/02/2068
सूर्य	19/04/2010	चंद्र	22/06/2027	मंगल	16/06/2043	राहु	06/12/2054	गुरु	18/10/2070
चंद्र	19/08/2011	मंगल	31/07/2028	राहु	02/01/2046	गुरु	12/11/2055	शनि	18/12/2073
मंगल	24/07/2012	राहु	07/06/2031	गुरु	09/04/2048	शनि	21/12/2056	बुध	18/10/2076
राहु	18/12/2014	गुरु	18/12/2033	शनि	18/12/2050	बुध	18/12/2057	केतु	18/12/2077

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/12/2077		18/12/2083		18/12/2093		19/12/2100		19/12/2118	
18/12/2083		18/12/2093		19/12/2100		19/12/2118		00/00/0000	
सूर्य	06/04/2078	चंद्र	18/10/2084	मंगल	16/05/2094	राहु	01/09/2103	गुरु	05/02/2121
चंद्र	06/10/2078	मंगल	19/05/2085	राहु	03/06/2095	गुरु	24/01/2106	शनि	11/10/2121
मंगल	11/02/2079	राहु	18/11/2086	गुरु	09/05/2096	शनि	30/11/2108		00/00/0000
राहु	06/01/2080	गुरु	19/03/2088	शनि	18/06/2097	बुध	20/06/2111		00/00/0000
गुरु	24/10/2080	शनि	18/10/2089	बुध	15/06/2098	केतु	07/07/2112		00/00/0000
शनि	06/10/2081	बुध	19/03/2091	केतु	12/11/2098	शुक्र	08/07/2115		00/00/0000
बुध	12/08/2082	केतु	18/10/2091	शुक्र	12/01/2100	सूर्य	01/06/2116		00/00/0000
केतु	18/12/2082	शुक्र	18/06/2093	सूर्य	20/05/2100	चंद्र	01/12/2117		00/00/0000
शुक्र	18/12/2083	सूर्य	18/12/2093	चंद्र	19/12/2100	मंगल	19/12/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 1 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।